IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 8, June 2025
Impact Factor: 7.67

महिलाओ के लिए पर्यावरणीय शिक्षा : सतत विकास की और एक कदम

निर्मला परेवा

महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर

naaritumho@gmail.com

सारांश

शिक्षा वो आधार है जो मानव को न केवल सशक्त बनाती है बल्कि उन्हें अपने पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का माध्यम भी प्रदान करती है |विशेष रूप से महिलाओं के संदर्भ में, शिक्षा ने उन्हें अपनी स्थिति को सुधारने और समाज में अपने योगदान को पहचानने का अवसर प्रदान किया एवं शिक्षा के माध्यम से ही महिलाए अपने आपको सशक्त बनाने का कार्य प्राचीन समय से करती आ रही है| पर्यावरणीय समस्याओ को सुलझाने और उनके निरंतर विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाओ की भागीदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है | इसी कारण से वर्तमान में महिलाओ को पर्यावरण प्रबन्धन में सशक्त बनाना एक महत्वपूर्ण विषय बनता जा रहा है, क्योकि यह न केवल सामाजिक विकास बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी अति आवश्यक हो गया है | शिक्षित महिलाये प्राकृतिक संसाधनो को संरक्षण देने में पूर्णतया सक्षम है | 19वी सदी की सावित्रीबाई फूले से लेकर 21वी सदी की चामी मुर्मू हो या फिर के.चेलाम्मल के द्वारा शिक्षा और महिला सशक्तिकरण का समाज में एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है |ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रो में महिलाओ को पर्यावणीय नीतियों और कार्यक्रमों का हिस्सा बनाकर पर्यावरण को पूर्णतया सुरक्षित किया जा सकता है|

मुख्य शब्द : पर्यावरण प्रबन्धन, सशक्तिकरण, संरक्षण, स्थायी आजीविका, आत्मनिर्भर,

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in